सुगना रे ऊबी डागलीये नैना में ढलके नीर भजन लिरिक्स

सुगना रे ऊबी डागलीये,
नैना में ढलके नीर।

दोहा – आठ वर्ष री डावडी,
ओर पाँच वर्ष रो बीर,
बचपन में मायत मरीया,
कुण तो बंधावे धीर।

सुगना रे ऊबी डागलीये,
नैना मे ढलके नीर,
अरे लेवन आवो बीरा रामदेव,
थे हो जग में बीर,
अरे लेवन आवो बीरा रामदेव,
थे हो जग में बीर।bd।

अरे आवन जावन कह गया रे,
आयी रे सावनीया री तीज,
अरे आवन जावन कह गया रे,
आयी रे सावनीया री तीज,
दर्शन प्यासी सुगना बाई,
होवे रे अधीर,
सुगना रे ऊबी डागलिये,
नैना मे ढलके नीर,
अरे लेवन आवो बीरा रामदेव,
थे हो जग में बीर।bd।

बारह वर्ष पीहर सारू,
लाग रही अडील,
बारह वर्ष पीहर सारू,
लाग रही अडील,
अरे अजमल जी रा कंवर लाडला,
नैना बरसे नीर,
अरे अजमल जी रा कंवर लाडला,
नैना बरसे नीर,
सुगना रे ऊबी डागलिये,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

नैना मे ढलके नीर,
अरे लेवन आवो बीरा रामदेव,
थे हो जग में बीर।bd।

अरे राकडी पूनम री बीरा,
जग में अमर रीत,
राकडी पूनम री बीरा,
जग में अमर रीत,
अरे रीत निभानी पडसी थाने,
आय बंधावो धीर,
अरे रित निभानी पडसी थाने,
आय बंधावो धीर,
सुगना रे ऊबी डागलिये,
नैना मे ढलके नीर,
अरे लेवन आवो बीरा रामदेव,
थे हो जग में बीर।bd।

रामदेवजी रो ब्याव रचीयो,
मैणादे मन में अधीर,
रामदेवजी रो ब्याव रचीयो,
मैणादे मन में अधीर,
अरे लाच्छा बाई आयी रे मारी,
सुगना क्यु नी आयी,
अरे लाच्छा बाई आयी रे मारी,
सुगना क्यु नी आयी,
सुगना रे ऊबी डागलिये,
नैना मे ढलके नीर,
अरे लेवन आवो बीरा रामदेव,
थे हो जग में बीर।bd।

अरे कैद करीयो रतना पुंगल,
छोडायो है पीर,
अरे कैद करीयो रतना पुंगल,
छोडायो है पीर,
अरे सुगना ने लेवन आया,
हडबू पाबू वीर,
अरे सुगना ने लेवन आया,
हडबू पाबू वीर,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सुगना रे ऊबी डागलिये,
नैना मे ढलके नीर,
अरे लेवन आवो बीरा रामदेव,
थे हो जग में बीर।bd।

अरे आया रूनीचे सुगना बाई,
आया है महापीर,
अरे आया रूनीचे सुगना बाई,
आया है महापीर,
अरे अन्याय रो नाश होया,
जग में न्याय री जीत,
अरे अन्याय रो नाश होयो,
जग में न्याय री जीत,
सुगना रे ऊबी डागलिये,
नैना मे ढलके नीर,
अरे लेवन आवो बीरा रामदेव,
थे हो जग में बीर।bd।

सुगना रे ऊबी डागलिये,
नैना मे ढलके नीर,
अरे लेवन आवो बीरा रामदेव,
थे हो जग में बीर,
अरे लेवन आवो बीरा रामदेव,
थे हो जग में बीर।bd।

गायक – प्रकाश माली जी।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com